CBSE Class – 4 Hindi

NCERT Solutions

रम झम पाठ- 13. हदहद

तुहारी समझ

(क) हदहद को कह 'हजा िमन' िचिड़या और कह 'पदबया ु' केनाम सेपुकारतेह| य ?

उ र- हदहद को कह कह 'हजा िमन' िचिड़या केनाम सेपुकारतेह य िक इसक च च नाखनू काटनेवाली 'नहरनी' सेिमलती

हा|ै

हदहद को कही-कही 'पदबया ु' केनाम सेभी पुकारा जाता है य िक यह दबू म सेभी क ड़ा ढूँढ लेती हा|ै

(ख) हदहद क च च पतली, लबीं और तीखी होती है| इस बात को यान म रखकर बताओ िक-

* **वेकैसा भोजन खातेह गे?**

* **च च सेवे या– या लेसकतेह?**

उ **र-** *वेछोटे- छोटेक ड़ेमकोड़ेखातेह गे|

* च च सेजमीन खोदकर भी क ड़ेिनकाल लेतेह गे| वेघास म िछपेहए क ड़े-मकोड़ेभी ढूँढ लेतेह गे| लड़ाई केसमय च च को ह थयार के प म इ तेमाल करतेह गे| अपनेरहनेके लए कोसा बनानेम इसक सहायता लेतेह गे|

मनेजाना

पाठ म ऐसेश द क सूची बनाओ जो पि य के लए इ तेमाल होतेह|

पाठ पढ़नेकेबाद अपनी कॉपी म एक ता लका तैयार कर और उस ता लका म मालूमक गई जानकारी लखो|

उ र-

जानती थी	पढ़कर मालूमहआ	जानना चाहती हँ	कैसे/कहाँसेपता लगाऊँगी
िग पखं (पर) च च दमु अडें घ सला	हदहद कलगी चोटी	िकन-िकन पि य क कलगी होती ह?ै िकस प ी क दमु कैसी होती ह?ै अडेंकैसे-कैसेहोते	अ यािपका सेपूछकर और पुकालय पता लगाऊँगी प ी-संहालय सेएवं पुतकालय से| उपयु तरीकेसे| ह|

पहचान कैसे

(क) अगर तुह हदहद को पहचाननेम िकसी क मदद करनी हैतो तुमउसेकौन-सी बात बताओगे? चार-पाँचवा य सेलखो|

उ **र-** हदहद का सारा शरीर रगं-िबरगां और चटक ला होता ह|ै उसकेपखं कालेहोतेह उन पर मोटी सफेद धा रयाँहोती ह|ै

उसके सर पर बादामी रगं क कलगी होती हैजसके सरेकालेऔर सफेद होतेह| इसक दमु का िह सा सफेद और बाहरी िह सा कालेरगं का होता ह|ै इसक च च पतली, ल बी और तीखी होती ह|ै

(ख) अब कौवेया कबूतर को पहचाननेके लए चार-पाँचिबंदुलखो| यह जनानेके लए तुह इन पि य को कुछ समय तक बहत गौर सेदेखना होगा|

उ **र-** कौवेक पहचान

1. कौवा कालेरगं का होता ह|ै
2. कौवा कोयल सेबड़ा होता ह|ै
3. इसकेबोलनेपर 'कॉव-कॉवक आवाज आती ह|'ै
4. इसक च च काली और लबीं होती ह|ै

<u>तरह-तरह क नाम</u>

तुहारेआसपास कौन - कौन सेप ी पाए जातेह, उनकेनाम क सूची बनाओ| तुहारेऔर तुहारेदो त केघर क भाषा म या कहतेह? जन पि यो केनाम तुह नह पता है,उनकेनाम तुह पता करनेह गे|

उ र- पि य केनाम-

1. कौवा, 2. कबूतर, 3. गौरैया, 4. कोयल, 5. तोता, 6. बगुला|

<u>बातचीत</u>

तुमनेहदहद सेजुड़ी एक कहानी पढ़ी है| उस कहानी को बातचीत के प म लखो| नीचेहमनेइस बातचीत को तुहारेलए शु
कर िदया है-

शाह सुलेमान - अरेभाई िग ! जरा मेरी बात तो सुनो|

िग(उड़ते-उड़ते)– किहए, मगर जरा ज दी से|

शाह सुलेमान - .....

िग- .....

तुमअपनेदो त केसाथ बातचीत को क ा म नाटक के प म तुतकर सकतेहो|

उ **र- शाह सुलेमान -** मुझेगम लग रही ह|ै तुमअपनेपखं सेमेरेसर पर छाया कर दो| **िग -** हम तो इतनेछोटेह| हम छाया कैसेकर सकतेह?
(िगउड़तेहए आगेचलेजातेह| हदहद का मुखया उड़ता हआ आता ह|)ै
शाह सुलेमान - अरेभाई हदहद! जरा इधर तो आओ|
मुखया हदहद – (उड़ता हआ पास आकर) किहए, महाराज! या बात ह?ै
शाह सुलेमान - इस समय म तपती धूपसेपरेशान हो गया हँ| या तुममेरी कुछ मदद करोगे|
मुखया हदहद - कुछ उपाय करता हँ| आप थोड़ी देरइतजारं क जए|

(थोड़ी देरम बहत सारेहदहद आकाश म उड़तेहए आतेह और बादशाह सुलेमान के सर पर छाया कर देतेह) **शाह सुलेमान –** (खशु होकर) वाह! तुमसब नेतो कमाल कर िदया| **मुखया हदहद -** यह तो हमारा फज था|

शाह सुलेमान - तुमसब िकतनेअ छेहो| मनेतो िग   सेभी मदद माँगी थी| उनकेपखं भी बड़े- बड़ेथे| वेचाहतेतो मेरी मदद

कर सकतेथेपर उ ह नेमेरी मदद नह क |

दसराू हदहद - उ ह ऐसा नह करना चािहए था| िकसी क मदद करनेम तो हम खशीु होनी चािहए|

शाह सुलेमान – (मुकुरातेहए) तुमिग सेछोटेतो हो पर उनसेअ धक चतुरहो| तुमसबनेिमलकर मेरी सहायता क ह|ै म तुमसेबहत स हँ| बताओ, तुहारी या इ छा ह?ै

मुखया - महाराज म अपनी सभी सा थय सेसलाह करनेकेबाद ही अपनी इ छा बताऊँगा|

शाह सुलेमान - ठीक ह|ै

(मुखया हदहद अपनेसाथ कुछ बात करता ह|)ै

शाह सुलेमान – सलाह हो गई? वरदान माँगलो|

मुखया – महाराज! आज सेहमारेसर पर कलकं सोनेक कलगी िनकल आए| **शाह सुलेमान –** (हँसकर) मुखया इसका फल या होगा यह तुमनेसोच लया ह?ै **मुखया –** हाँ,महाराज! खबू िवचार करकेयह वर माँगा ह|ै **शाह सुलेमान -** ठीक ह,ैऐसा सही हो|

(सभी हदहद के सर परसोनेक कलगी िनकल आती ह|ै सभी खशु हो कर चलेजातेह|)

(कुछ िदन बाद..... महाराज केदरबार म हदहद का मुखया पहँचता ह|)ै

मुखया – (घबराया हआ) महाराज, हमारी र ा क जए|

शाह सुलेमान - य   या हआ?

मुखया - महाराज वरदान वापस लेली जए| जब सेहमारेसर पर सोनेक कलगी िनकल आई तब सेलोग हम ढूँढ-ढूँढ कर मानने

लगेह|

शाह सुलेमान - मनेतो शु म ही तुहेचेतावनी दी थी| खैर, जाओ आज सेतुहारेसर का ताज सोनेका नह ब क सुदरं पर का हआ करेगा|

मुखया - (खशु होकर) महाराज! आपका बहत - बहत ध यवाद| (पदा िगरता ह|)ै

रगारंग

(क) हदहद का सारा शरीर रगं-िबरगां और चटक ला होता है|

हदहद का रगं चटक ला बताया जाता है| रगं कैसेह- यह बतानेके लए कुछ श द का इ तेमाल िकया जा सकता है| जैसे,फ का

रगं, चटक लेरगं आिद|

बताओ िक ऐसेिकन - िकन चीज केरगं होतेह|

उ र-

रगं का नाम	**इस रगं क चीज केनाम**
गहरा	प याँ,कौवा, भालू
फ का	आसमान, िम ी, खरगोश, हाथी

भड़क ला	पलाश का फूल, तोता, मोर|

सुनहरा	कंगन, अगुठी, हार|

(ख) यूनी नेआसमानी रगं क कमीज़ पहनी है

'आसमानी' रगं का नाम कैसेबना होगा? सोचो|

(सकेतं- फल, स जी, प आिद केनाम पर)

उ **र-** बगनीै च पई बादामी सुनहरा, मेहँदी, सदंरी ू नारगीं जमुनी तांबई क थई , नीला गेआ

<u>श द एक-अथ अनेक</u>

शाह क भट हदहद केमुखया सेहई|

मुझेमेरी बहन नेएक सुदर भट दी|

ऊपर वालेवा य म भट का मतलब मुकालात सेहै,नीचेवालेवा य म उपहार से|

तुमभी कोई ऐसेचार श द सोचो जनकेदो मतलब नेकमतेह | उनका वा य म योग करो|

उ र-

(क) **पर** – हदहद के**पर** सुदर ह|

आजा का काम कल **पर** मत छोड़ो|

(ख) **कलम** – हम सब **कलम** सेलखतेह|ै

- राजा नेचोर का सर **कलम** कर िदया| (ग) **अथ** - इस किवता का **अथ** बताओ|

हर चीज़ेखरीदनेके लए **अथ** क आव यकता होती ह|ै (घ) **प** - आम का **प** पूजा केकाम आता ह|ै आज मनेचाचा जी को **प** लखा|

<u>नाम</u>

हदहद एक बहत ही सुदर प ी है|

हदहद और प ी, दोन को ही हम सं ा कहतेह|

अब नेचेदी गई ता लका को आगेबढ़ाओ|

हदहद प ी भारत देश अनार फल

उ **र-** हाथी

जानवर मुबई

शहर गगां नदी

िहमालय पवत इं

देवता रामायण

पुतक